ईसाई मजदूर, किसान, सिपाही (हथौड़ा, हँसुआ, तलवार) २.

हमर बात आगि जकाँ नहि अछि? प्रभु कहैत छथिन। आ हथौड़ा जकाँ जे पाथर केँ टुकड़ा-टुकड़ा क’ दैत अछि? यिर्मयाह 23:29

हँसुआ मे राखू, कारण फसल पाकि गेल अछि। कारण, दबाब भरल अछि, चर्बी उमड़ि जाइत अछि। कारण, हुनका लोकनिक दुष्टता बहुत पैघ अछि। योएल 3:13

यीशु सभ नगर आ गाम मे घुमि कऽ अपन सभाघर मे शिक्षा दैत छलाह आ राज्यक सुसमाचार प्रचार करैत छलाह आ लोक सभक बीचक सभ बीमारी आ सभ बीमारी केँ ठीक करैत छलाह। मुदा लोक सभ केँ देखि हुनका सभ पर दया आबि गेलनि, किएक तँ ओ सभ बेहोश भऽ गेल छल आ ओहि भेँड़ा सभ जकाँ छिड़िया गेल छल, जकर चरबाह नहि अछि। तखन यीशु अपन शिष् य सभ केँ कहलथिन, “ सत्ते फसल बहुत अछि, मुदा मजदूर कम अछि। तेँ अहाँ सभ फसलक मालिक सँ प्रार्थना करू जे ओ अपन फसल मे मजदूर सभ केँ पठाबथि। मत्ती 9:35-38

तेँ ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “ सत्ते फसल बहुत अछि, मुदा मजदूर कम अछि। लूका 10:2

यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “ हमर भोजन अछि जे हमरा पठेनिहारक इच्छा पूरा करब आ हुनकर काज पूरा करब।” अहाँ सभ ई नहि कहब जे आब चारि मास अछि, तखन फसल काटि आबि जायत? देखू, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, आँखि उठा कऽ खेत दिस देखू। कारण, फसल काटय लेल पहिने सँ उज्जर भ' गेल अछि। जे फसल काटि लैत अछि, तकरा मजदूरी भेटैत अछि आ अनन्त जीवनक लेल फल जुटाबैत अछि, जाहि सँ बोनिहार आ काटनिहार दुनू गोटे एक संग आनन्दित होथि। आ एहि मे ई कहब सत् य अछि जे, “एक गोटे बोनैत अछि आ दोसर फसल काटि लैत अछि।” हम अहाँ सभ केँ ओहि काज केँ काटि लेबाक लेल पठौने रही जाहि पर अहाँ सभ कोनो मेहनति नहि केलहुँ। यूहन्ना 4:34-38

हमरा जे हमरा पठौलनि, तकरा दिन मे काज करबाक चाही। यूहन्ना 9:4

तेँ हे हमर प्रिय भाइ लोकनि, अहाँ सभ दृढ़, अचल, प्रभुक काज मे सदिखन प्रचुर रहू, किएक तँ अहाँ सभ जनैत छी जे प्रभु मे अहाँ सभक परिश्रम व्यर्थ नहि अछि। 1 कोरिन्थी 15:58

नीक काज करबा मे थाकि नहि जाउ, किएक तँ जँ बेहोश नहि भऽ जायब तँ उचित समय पर काटि लेब। गलाती 6:9

आ उद्धारक हेलमेट, आ आत् माक तलवार, जे परमेश् वरक वचन अछि, लऽ लिअ: इफिसियों 6:17

तेँ हे हमर बेटा, मसीह यीशु मे जे अनुग्रह अछि, ताहि मे बलवान बनू। अहाँ हमरा सँ बहुतो गवाहक बीच जे बात सुनने छी, से अहाँ विश्वासी लोक सभक हाथ मे राखि दियौक, जे दोसरो केँ सिखा सकैत अछि। तेँ अहाँ

यीशु मसीहक नीक सिपाही जकाँ कठोरता सहैत रहू। युद्ध करयवला केओ एहि जीवनक काज मे ओझराइत नहि अछि। जे ओकरा सिपाही बनय लेल चुनने अछि ओकरा प्रसन्न करय। जँ केओ प्रभुत्वक लेल सेहो प्रयासरत अछि तँ ओकरा ताज नहि पहिराओल जाइत छैक, जाबत ओ विधिवत प्रयास नहि करत। 2 तीमुथियुस 2:1-5

अपना केँ परमेश् वरक अनुमोदन देखबाक लेल अध्ययन करू, एकटा एहन काजी जेकरा लाज करबाक आवश्यकता नहि अछि, सत्यक वचन केँ सही तरीका सँ बाँटि रहल अछि। 2 तीमुथियुस 2:15

किएक तँ परमेश् वरक वचन कोनो दुधारी तलवार सँ तेज, शक्तिशाली आ तेज अछि, जे आत् मा आ आत् मा आ जोड़ आ मज्जा केँ विभाजित करबा धरि बेधैत अछि आ हृदयक विचार आ अभिप्राय केँ बूझि सकैत अछि। इब्रानियों 4:12

मुदा धर्मी लोकनि अनन्त काल धरि जीबैत छथि। हुनका सभक इनाम सेहो प्रभुक संग छनि, आ हुनकर सभक देखभाल परमात्माक संग छनि। तेँ हुनका सभ केँ प्रभुक हाथ सँ एकटा गौरवशाली राज्य आ सुन्दर मुकुट भेटतनि, किएक तँ ओ हुनका सभ केँ अपन दहिना हाथ सँ झाँपि लेताह आ अपन बाँहि सँ हुनका सभक रक्षा करताह। ओ पूर्ण कवच लेल अपन ईर्ष्या केँ अपना लग ल' लेत, आ ओहि प्राणी केँ अपन शत्रु सभक बदला लेबाक लेल अपन हथियार बना लेत। ओ छाती जकाँ धार्मिकता आ हेलमेटक बदला सत् य न्याय पहिरत। ओ पवित्रता केँ अजेय ढाल लेल लेत। ओकर कठोर क्रोध ओ तलवारक बदला तेज करत, आ संसार ओकरा संग अबुद्धिमानक संग लड़त। सुलेमान 5:15-20 के बुद्धि

श्रमसाध्य काज आ ने खेती-बाड़ी सँ घृणा नहि करू, जे परमात्मा द्वारा निर्धारित कयल गेल अछि। उपदेशक 7:15

ओकरा कोना एहन बुद्धि भेटतैक जे हल पकड़ैत अछि, जे चोंच मे गौरव करैत अछि, जे बैल केँ भगाबैत अछि, आ अपन मेहनत मे व्यस्त रहैत अछि, आ जकर गप्प बैल-बगलक होइत अछि? ओ अपन मोन खाधि बनेबाक लेल दैत छथि; आ गायकेँ चारा देबामे लगनशील होइत अछि। तहिना हर बढ़ई आ कामगार, जे राति-दिन मेहनत करैत अछि, आ जे मोर्चा काटि कऽ कब्र गढ़बैत अछि, आ बहुत तरहक बिम्ब बनेबा मे लगनशील अछि, आ नकली बिम्बक काज पूरा करबा मे लागल रहैत अछि, आ लोहार सेहो निहाईक कात मे बैसल आ लोहाक काज पर विचार करैत अछि, आगि केर वाष्प ओकर मांस केँ बर्बाद क' दैत अछि, आ ओ भट्ठीक ताप सँ लड़ैत अछि, हथौड़ाक शोर-शराबा सँ निहाई ओकर कान मे सदिखन रहैत छैक, आ ओकर आँखि ओकर बनाओल वस्तुक नमुना केँ स्थिर देखैत छैक। ओ अपन काज पूरा करबाक लेल मोन लगा लैत अछि आ ओकरा एकदम नीक जकाँ चमकाबय लेल देखैत अछि: तहिना कुम्हार अपन काज पर बैसल आ पएर सँ चक्का घुमाबैत अछि, जे सदिखन अपन काज मे सावधानीपूर्वक ठाढ़ रहैत अछि आ अपन सभ काज संख्याक हिसाब सँ करैत अछि। ओ अपन बाँहि सँ माटि केँ गढ़ैत अछि आ अपन शक्ति केँ पएरक आगू झुका दैत अछि। ओकरा आगू बढ़ेबाक लेल अपना केँ लगा दैत अछि। ओ भट्ठी केँ साफ करबा मे लगनशील छथि, ई सभ अपन हाथ पर भरोसा करैत छथि, आ सभ अपन काज मे बुद्धिमान छथि। एहि सभक बिना कोनो शहर मे आबाद नहि भ' सकैत अछि, आ ओ सभ जतय चाहैत अछि, ओत' नहि रहि सकैत अछि, आ ने ऊपर-नीचा करत, ओकरा सभ केँ सार्वजनिक सलाह मे नहि खोजल जायत, आ ने मंडली मे ऊँच बैसत। आ जतऽ दृष्टान्त बाजल जाइत अछि, ओतऽ ओ सभ नहि भेटत। मुदा संसारक दशा बनौने रहताह, आ हुनकर सभटा इच्छा हुनकर शिल्पक काज मे छनि। उपदेशक 38:25-34